**स्वच्छता समारोह**

**स्वच्छता: स्वस्थ व् समृद्ध जीवन का आधार**

**परिचय**

एस एम सहगल फाउंडेशन और CAWST मिलकर , जाफराबाद पंचायत, जिला वैशाली, बिहार में "वॉश फॉर हेल्दी होम" परियोजना पर कार्य कर रहा है। यह परियोजना फिग ट्री फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित की जा रही है । जिसमे दस महिला समूहों के माध्यम से सुरक्षित पेयजल, सुरक्षित हाथ धोने की प्रक्रिया और स्वच्छता आचरण के प्रति व्यवहार परिवर्तन हेतु सामुदायिक संवेदीकरण व् जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है ।

इस परियोजना के तहत, एस एम सहगल फाउंडेशन ने 27 मार्च, 2022 को एक स्वच्छता समारोह का आयोजन किया। जिसमें 450 से अधिक महिलाएं, जो कि समूहों की सदस्य हैं, ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया । समारोह में WASH व्यवहार परिवर्तन विषय में महिला समूहों के लीडरों द्वारा अपनी प्रगति का प्रदर्शन करने और नई जानकारियां प्राप्त करने के लिए उनका उत्साह देखने योग्य था।

इस स्वच्छता समारोह का उद्देश्य सभी समूहों के सदस्यों को एक मंच पर लाकर और अपने WASH व्यवहार परिवर्तन की यात्रा का प्रदर्शन कर उत्साह वर्धन करना था । इस स्वच्छता समारोह के माध्यम से महिलाओं ने उचित WASH व्यवहार को अपनाने के लिए स्वयं को बहुत गौरवान्वित महसूस किया ।

**समारोह की मुख्य गतिविधियाँ**

ग्राम मुखिया ने अपने वार्ड सदस्यों और ब्लाक आजीविका समन्वयक के साथ समारोह में भाग लिया । समारोह की शुरुआत में एस एम सहगल फाउंडेशन के ललित शर्मा ने स्वागत सम्बोधन कर मुखिया जी को दीप प्रज्वलन करने के लिए आमंत्रित किया। ग्राम मुखिया श्री संतोष कुमार सिंह व वार्ड सदस्यों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। सभी महिला समूह लीडरों ने अपने परिचय के साथ अपनी WASH व्यवहार परिवर्तन की यात्रा के अपने अनुभवों को साझा किए।

*कुछ WASH संबंधित अनुभव:*

* खोकसा कल्याण गांव की एक समूह नेता शोभा देवी ने बताया कि पहले वह सीधे हैंडपंप से पानी पीती थी, जिसके कारण उनको और उनके परिवार को अपच और पेट में गैस की समस्या बनी रहती थी और दवा पर तक़रीबन 700 रुपये प्रति माह खर्च हो जाते थे। उन्होंने बताया कि वह जब भी बाहर जाती थीं तो उन्हें बार-बार डकार आने पर बहुत शर्म आती थी। शोभा देवी का कहना है कि सुरक्षित पेयजल के महत्व के बारे में जानने के बाद, उन्होंने माटिकल्प वाटर फिल्टर को अपनाया। करीब एक साल से वह और उनका परिवार माटीकल्प का पानी पी रही है। वो अब बेहतर महसूस करती हैं और अब उन्हें दवाओं की कोई आवश्यकता नहीं है।
* खोकसा कल्याण गांव की रंजू देवी ने माटिकल्प का एक अन्य लाभ बताया। उसने बताया कि उसके बच्चे पेट दर्द, दस्त और अन्य संबंधित समस्याओं से पीड़ित रहते थे। माटिकल्प के प्रयोग से अब उनके बच्चे स्वस्थ हैं और अब दवा पर खर्च होने वाला पैसा भी बच रहा है। उन्होंने कहा कि माटिकल्प के पानी और सुरक्षित हाथ धोने के तरीकों का को अपनाने के बाद अब वह सभी सवस्थ रहते है और उन्हें डॉक्टर के पास भी नहीं जाना पड़ता हैं।
* लखनपुर मोहम्मदपुर गांव की निर्मला देवी ने कहा कि उन्हें सामूहिक सत्रों में WASH के बारे में प्रशिक्षित किया गया था, जैसे कि क्यों, कैसे और कब हाथ धोना है। अब उनका पूरा परिवार हाथ धोने में बहुत सावधानी बरतता है और हमेशा फ़िल्टर किया पानी का उपयोग पीने और खाना पकाने के लिए करता है।

परिचय और अनुभवों को साझा करने के बाद, एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे महिलाओं से लगभग चालीस प्रश्न पूछे गए जो सुरक्षित पेयजल, हाथ की स्वच्छता, फिल्टर के रखरखाव, खाद्य स्वच्छता, रसोई स्वच्छता, हाथ धोने के स्टेशनों का उपयोग आदि पर आधारित थे। समूह के अधिकांश सदस्यों ने प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में बड़े उत्साह से भाग लिया और बहुत आत्मविश्वास से उत्तर दिये।

कार्यक्रम में अगली कड़ी कहानी सुनाने की थी, स्थानीय वॉश परिदृश्यों पर आधारित एक कहानी सुनाई गई । दर्शकों ने कहानी में पात्रों द्वारा अपनाई गई बुरी WASH सम्बन्धित आदतों पर उत्साहपूर्वक चर्चा की और यह वाद विवाद किया कि उन्हें स्वस्थ जीवन के लिए क्यों WASH संबंधित अच्छी आदतें अपनानी चाहिए।

टिपी-टैप स्थापना प्रतियोगिता में परियोजना क्षेत्र के दस युवाओं ने दो-दो की टीमों में भाग लिया। उन्होंने इसके लिये स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्री जैसे बांस, प्लास्टिक की बोतल, कील और पतली रस्सी का उपयोग किया । उन्होंने यह भी बताया की टिप्पी-टैप अपनाने से होने वाले फायदें क्या- क्या हैं। बनाये गये टिपी-टैप की गुणवत्ता और टीम द्वारा बताये गए विवरण के आधार पर पुरस्कार के लिए तीन टीमों का चयन किया गया।

प्रतियोगिता के बाद महिला समूह की लीडरों ने बहुत आत्मविश्वास के साथ उचित WASH आचरण अपनाने में उत्सुकता व् उत्साह दिखाया । टिपी-टैप स्थापना प्रतियोगिता और प्रतिभागियों द्वारा दिए गए विवरण ने अन्य युवाओं का ध्यान हाथ धोने के स्टेशनों को अपनाने और उपयोग करने के महत्व की ओर आकर्षित किया।

**परियोजना अवलोकन**

‘वॉश फॉर हेल्थी होम’ परियोजना, समुदाय में ज्ञान प्रसार के माध्यम से WASH व्यवहार परिवर्तन पर केन्द्रित है। इस परियोजना के लिए एक प्रारंभिक और एक माध्यमिक अध्ययन के आधार पर, पांच टोलों में सबसे गरीब परिवारों का चयन किया गया था। परियोजना के उद्देश्यों में परिवार की आर्थिक व् सामाजिक स्थिति (आजीविका स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था, शिक्षा और गरिमा) में उत्थान के लिए सुरक्षित पेयजल, स्वच्छता और हाथ धोने की आदत के द्वारा, व्यवहार-परिवर्तन के बारे में जागरूक करना शामिल है। निरंतर सामुदायिक जागरूकता-निर्माण सत्रों के माध्यम से प्रोत्साहित होकर ये महिलाएं स्वयं और अपने आस-पड़ोस में सुरक्षित पेयजल आचरणो और हाथ की स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए स्वेच्छा से दूसरों को भी प्रेरित करती हैं। इस परियोयोजना के अंतर्गत एस एम सहगल फाउंडेशन ने इन विषयों पर संवेदीकरण और जागरूकता निर्माण के लिए संरचित सामुदायिक सत्र योजना भी विकसित की है।